राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई शासकीय नवीन महाविद्यालय गुरूर

का सात दिवसीय विशेष शिविर

= स्वच्छता के लिए युवा =

//प्रतिवेदन//

मान्यवर .....

.....

.....

राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई शासकीय नवीन महाविद्यालय गुरूर का सात दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 06-12-2017 से 12-12-2017 तक ग्राम ठेकवाडीह, तहसील - गुरूर, जिला - बालोद (छ.ग.) संचालित हुआ, जिसका विधिवत् उद्घाटन दिनांक 06-12-2017 को हुआ। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई से 50 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमति जमुना देवी साहू सरपंच ग्राम पंचायत ठेकवाडीह, एवं अध्यक्षता श्रीमति शांति बाई सोरी महिला कमाण्डो अध्यक्ष, अन्य अतिथियों में डॉ.व्ही.एम.जुर्री प्राचार्य शास.महावि. गुरूर, डॉ. जे. एल. बघेल, (सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र) श्री भुवन लाल राणा, श्री नोहर साहू, श्री मोती साहू, श्री भीखूराम साहू, समस्त पंच तथा ग्रामीणों के उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

शिविर काल में शिविरार्थी एक प्रेरणा एवं संदेश लेकर ग्राम में आए, जिनके द्वारा किये गये विभिन्न गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार है :-

01. **परियोजना कार्य** :- शिविरार्थी प्रतिदिन प्रातः 09:00 बजे से दोहपर 12:00 बजे तक ग्राम में परियोजना कार्य किये जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

- दिनांक 07-12-2017 को शिविर स्थल के आस-पास की साफ-सफाई, वार्ड क्र. 05] 06] 07] 08] एवं 09 की गलियों की साफ-सफाई, पंचायत भवन, प्राथमिक शाला भवन, सांस्कृतिक कलामंच के आसपास व सतगुरू चौक की गलियों की सफाई की गई ।
- दिनांक 08-12-2017 को वार्ड क्र. 02] 03 की गलियों की साफ-सफाई नलकूपो के पास सोक्ता गड़ढे का निर्माण वार्ड क्रमांक 04 एवं की गलियो की साफ-सफाई सार्वजनिक स्थलो की साफ-सफाई, ऑगनबाड़ी क्रेन्दो के आसपास की साफ-सफाई का कार्य किया गया।
- दिनांक 09-12-2017 को वार्ड क्र. 02] 03 की गलियों की सफाई, तालाब में निर्मित महिला घाट के आसपास की साफ-सफाई वार्ड क्रमांक 08]10 की गलियों नलकूपो की साफ-सफाई का कार्य किया गया ।
- दिनांक 10-12-2017 को वार्ड क्र. 02] 03] 04] 08] एवं 09 की गलियों एवं नलकूपो के आस-पास की साफ-सफाई का कार्य, सांस्कृतिक कलामंच के आसपास की साफ-सफाई का कार्य ठेकवाडीह से दुपचेरा मुख्य मार्ग की साफ-सफाई का कार्य किया गया ।
- दिनांक 11-12-2017 को वार्ड क्र. 01] 02 व मंच के आसपास व शिविर स्थल के आसपास की सफाई वार्ड क्र. 06] 07] 08 की गलियो व जल निकास की व्यवस्था का कार्य किया गया । साथ ही सामुदायिक भवन एवं गौठान के आसपास की सफाई का कार्य किया गया ।

इस प्रकार प्रतिदिन परियोजना कार्य के माध्यम से शिविरार्थियों के द्वारा ग्रामीणों को ग्राम्य स्वच्छता का संदेश दिया गया।

02. **बौद्धिक परिचर्चा** :- छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनमें बोलने की साहस पैदा करने तथा ग्रामीणों एवं छात्रों को विभिन्न जानकारी प्रदान करने प्रतिदिन 03:00 बजे से 05:00 बजे तक बौद्धिक परिचर्चा का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें विभिन्न विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी आकर अपने विभाग की जानकारी ग्रामीणों एवं शिविरार्थियों को प्रदान किये।

- दिनांक 07-12-2017 को श्री जी.एन. साहू, (बाल संरक्षण अधिकारी, जिला - बालोद) के द्वारा बाल संरक्षण एवं बाल अपराधो के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।
- दिनांक 08-12-2017 को डॉ. बी.के. विश्वकर्मा (पशु चिकित्सा अधिकारी गुरूर) उपस्थित हुए । इन्होंने पशुओं में होने वाली बिमारी की उपचार, देखभाल एवं विभिन्न जानवरो के काटने के संबंध में विभिन्न जानकारी शिविरार्थियों एवं ग्रामीणजनों को प्रदान किये।
- दिनांक 09-12-2017 को डॉ. नाजमा बेगम (प्राचार्य एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी मॉ बहादुर कलारिन कला एवं विज्ञान महावि. गुरूर) ने शिविरार्थियों एवं ग्रामीणों को व्यक्तित्व विकास एवं शिविरार्थियो को राष्ट्रीय सेवा योजना के विविद्य शिविर के बारे में जानकारी दिये।
- दिनांक 10-12-2017 को श्री टी.आर. महमल्ला (सेवा निवृत्त विकास खंड अधिकारी गुरूर) एवं श्री एन.एस. साहू सेवा निवृत्त शिक्षक (राष्ट्रपति पुरूष्कृत डॉ.ए.पी.जे. अबदुल कलाम द्वारा) इन्होने जीवन जीने की कला, शिक्षा और ज्ञान का महत्व, परिवार एवं समाज में हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए, छात्रो का राष्ट्र के प्रति कर्तव्य होनी चाहिये जिसकी विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान किये किये।
- दिनांक 11-12-2017 को प्रो. खम्हन बनपेला तथा डॉ. वाय.के धुर्वे ने हमारी जीवन में छोटी-छोटी बातो का महत्व, समाज का विकास, राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियो की भूमिका, विविद्य बुराई और कुसंगतियो का हमारे शरीर एवं जीवन में प्रभाव इन सबके के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिये।

इस प्रकार प्रतिदिन किसी न किसी विभाग की अधिकारी बौद्धिक परिचर्चा में उपस्थित होकर शिविरार्थियों एवं ग्रामीणों को विभागीय जानकारी से लाभ पहुंचाते रहे।

प्रतिदिन रात्रि 08:00 बजे ग्रामीण जनों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम ठेकवाडीह के कला मंच में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय संस्कृति एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश की संस्कृति को उभारते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, अज्ञानता एवं स्वच्छता, तथा निर्मल ग्राम का संदेश दिया गया।

प्रतिदिन प्रातः काल प्रभातफेरी में प्रेरक नारी एवं प्रेरणागीत के माध्यम से जनजागरण का संदेश दिया गया। इसी प्रकार प्रातःकालिन व्यायाम एवं सांध्यकालिन खेल के माध्यम से स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है। इस उद्देश्य की जानकारी प्रतिदिन ग्रामीणजनों को दे रहे थे। प्रतिदिन प्रातः शिविरार्थियों द्वारा सुविचार प्रस्तुत कर ग्रामीणजनों को सकारात्मक संदेश प्रेषित किया गया।

कैम्प फायर के माध्यम से चारों दिशा से आये हुए सत्य, शांति, वायु, अग्नि का संदेश दिया गया। इस प्रकार शिविरार्थियों के माध्यम से प्रत्येक गतिविधियों से संदेश देने का कार्य किया गया।